'जलवायु परिवर्तन ऊर्जा नीति का हिस्सा'

मुंबई, कासं. पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने शुक्रवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन ऊर्जा नीति का अभिन्न हिस्सा है और ऊर्जा आत्मनिर्भरता इससे करीबी से जुड़ी है. कलाम ने वैदिक विज्ञान अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित ''सततता.. एक वास्तविकता'' नामक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा ''भारत अक्षय ऊर्जाः सौर, पवन, परमाणु और जैव ऊर्जा के मिश्रित इस्तेमाल से ऊर्जा में आत्मनिर्भरता हासिल कर सकता है. उन्होंने कहा कि बड़ी मात्रा में कार्बनडाई आक्साइड की मात्रा कम करने के लिए देश को 2011-12 तक तेल के आयात में काफी कमी कर देनी चाहिए. उन्होंने कहा कि इथनोल के मिश्रण तथा पानी के साथ डीजल मिलाकर तेल का आयात 20 प्रतिशत कम किया जा सकता है. कलाम ने जैव ईंधन के लाभ के बारे में भी बताया. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ और इलाहाबाद में कई एकड़ में जट्रोफा के पौधे लगाए गए हैं, जो न केवल जैव ईंधन का स्रोत हैं, बल्कि मिट्टी के क्षरण को भी रोकते हैं.